ऊर्जा मंत्री (श्री पी० शिव शंकर) : (क) से (ग). रावत भाटा में राजस्थान परमाणु विद्युत् केन्द्र उत्तरी ग्रिड में विद्युत् को सप्लाई करने वाले केन्द्रों में से एक है। इस केन्द्र में उत्पादन होने वाली विद्युत् में विभिन्न राज्यों के हिस्सों का अभी तक अन्तिम रूप से निर्धारित नहीं किया गया है। राजस्थान की विद्युत् की आवश्यकताएं केवल इसी स्रोत से पूरी नहीं की जातीं बल्कि भाखड़ा-ब्यास और सतपुड़ा-चम्बल प्रणालियों में राज्य के हिस्से से पूरी की जाती हैं। राजस्थान में विद्युत् की समग्र उपलब्धता इस समय राज्य की आवश्यकताओं से कम है क्योंकि राजस्थान परमाणु विद्युत् केन्द्र से पूरा उत्पादन प्राप्त नहीं हो रहा है।

राजस्थान परमाणु विद्युत् केन्द्र की क्षमता बढ़ाए जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। राजस्थान परमाणु विद्युत् केन्द्र की दूसरी यूनिट 21 फरवरी, 1983 से पुनः प्रचालित कर दी गई है। पहली यूनिट में मरम्मत कार्य चल रहा है। राजस्थान राज्य बिजली बोर्ड कोटा में एक नए ताप-विद्युत् केन्द्र का निर्माण कर रहा है। पहली यूनिट जो चालू की गई है, उससे राज्य में अतिरिक्त विद्युत् की उपलब्धता में शीघ्र ही योगदान मिलने की आशा है। इस बीच केन्द्रीय विद्युत् उत्पादन केन्द्रों और पड़ौसी प्रणालियों से राज्य को अधिकतम संभावित सहायता दी जा रही है तथा पिछले कुछ दिनों में कुल मिला कर विद्युत् की उपलब्धता में सुधार हुआ है।

Collaboration with a French Company for Manufacture of Telephone Instruments

*139. SHRI AMAL DATTA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are manufacturing 250 thousand pieces of telephone instruments per year which are of 1940 model;

(b) whether it is also a fact that the Telecommunication Research Centre has failed to develop a new uptodate model of telephone;

(c) whether Government have entered into a collaboration with a French Company for manufacture of telephone instruments; and

(d) if so, the details as to the value of technology and equipment to be imported under such agreement and the number of telephones to be manufactured per year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI V. N. GADGIL): (a) No Sir. Indian Telephone Industries Limited (ITI) has planned to manufacture 5.88 lakh telephone instruments during 1982-83 of which only about 86,000 telephone instruments would be of 332 type, which is an older model. These are mostly required for special purposes for use as Maganeto instruments, Ampliphones etc.

(b) No Sir.

(c) No Sir.

(d) Does not arise.

List of Nationally Important Industries

*140. SHRI ASHFAQ HUSSAIN: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Department of Company Affairs has drawn up a list of nationally important industries in consultation with the respective administrative Ministries;

(b) if so, the details of the list; and

(c) is it a fact that these nationally important industries are to be freed from the clutches of MRTP provisions for the purpose of unrestricted growth?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI JAGAN NATH KAUSHAL): (a) and (b). The list of "high national priority" indus-